

तंबाकू नियंत्रण के लिये झारखंड को डब्ल्यूएचओ पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

29 मई, 2022 को झारखंड के राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के नोडल अधिकारी ललति रंजन पाठक ने बताया कि झारखंड को तंबाकू की खपत को नियंत्रित करने के प्रयासों के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन ने विश्व तंबाकू नषिध दविस (डब्ल्यूएनटीडी) पुरस्कार, 2022 के लिये चुना है।

प्रमुख बिंदु

- 31 मई को नई दिल्ली में विश्व तंबाकू नषिध दविस के अवसर पर झारखंड स्वास्थ्य विभाग का स्टाटा तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ पुरस्कार ग्रहण करेगा।
- ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे (जीएटीएस)-1 की रिपोर्ट के अनुसार, जब वर्ष 2012 में झारखंड में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया गया था, तब राज्य में तंबाकू प्रसार दर 51.1 प्रतिशत थी, जिसमें से 48 प्रतिशत धूम्रपान रहित उपयोगकर्त्ता थे।
- 2018 में प्रकाशित हुई रिपोर्ट में कहा गया कि राज्य में तंबाकू सेवन करने वालों की संख्या घटकर 38.9 प्रतिशत हो गई, जिनमें से 35.4 प्रतिशत धूम्रपान रहित उपयोगकर्त्ता थे।
- रंजन पाठक ने बताया कि झारखंड ने 2018 और 2022 के बीच कई उपायों की शुरुआत की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, डब्ल्यूएचओ और समर्पित राज्य एवं ज़िला स्वास्थ्य टीमों ने झारखंड में तंबाकू प्रसार दर को कम करने में बहुत योगदान दिया है।